को अलबम से बहुत लगाव था। इसलिए उसने जब

4. प्रश्न-अभ्यास

(पृष्ठ 66-68)

कहानी से

प्रश्न 1. नागराजन ने अलबम के मुख्य पृष्ठ पर क्या लिखा और क्यों? इसका असर कक्षा के दूसरे लड़के-लड़कियों पर क्या हुआ?

उत्तर–नागराजन के अलबम के मुख्य पृष्ठ पर लिखा था–

ए. एम. नागराजन

'इस अलबम को चुराने वाला बेशर्म है। ऊपर लिखे नाम को कभी देखा है? यह अलबम मेरा है। जब तक घास हरी है और कमल लाल, सूरज जब तक पूर्व से उगे और पश्चिम में छिपे, उस अनंत काल तक के लिए यह अलबम मेरा है, रहेगा।' यह लिखने का उद्देश्य अलबम के महत्त्व को सिद्ध करना था। साथ ही उस पर अलबम के मालिक का नाम लिखना था जिससे उसका प्रभाव उसे देखनेवालों पर पड़े।

इसका असर क्लास के दूसरे लड़के-लड़कियों पर भी पड़ा था। लड़कों ने अलबम पर लिखे इन शब्दों को अपने अलबम में उतार लिया था। लड़कियों ने भी इसे अपनी किताबों और कापियों में लिख लिया था।

प्रश्न 2. नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा के मन की क्या दशा हुई?

उत्तर–नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा मन ही मन कुढ़ा करता था। अब उसे स्कूल जाना भी अच्छा नहीं लगता था। लड़कों के सामने जाने में भी उसे शर्म आने लगी थी। अब वह घर में ही घुसा रहता था और अलबम को दिन में कई बार देख लेता था। उसे अब अपने अलबम से चिढ़ होने लगी थी। उसे लगता था कि उसका अलबम कूड़ा है।

(3) अलबम चुराते समय राजप्पा किस मानसिक स्थिति से गुजर रहा था?

उत्तर - अलबम चुराते समय राजप्पा ईर्ष्या और क्रोध की स्थिति में था। राजप्पा ईर्ष्या और क्रोध के स्थिति मे आकर नागराजन के अलबम को चुराने का निर्णय लेता है। वह जब अलबम चुराने जाता है उस समय नागराजन के अलबम के पहले पृष्ठ पर लिखे शब्दों को पढ़कर उसका दिल डर से धड़कने भी लगा किन्तु ईर्ष्या और क्रोध के अधीन आकर वह अलबम को चुरा लिया।

प्रश्न 4. राजप्पा ने नागराजन का टिकट-अलबम अँगीठी में क्यों डाल दिया?

उत्तर– नागराजन का टिकट अलबम चुराने के बाद राजप्पा बहुत डर गया था। डर के मारे उसका शरीर जलने लगा था। गला सूख रहा था और चेहरा भी लाल पड़ गया था। राजप्पा को भय था कि पुलिस उसे पकड़ लेगी। इसलिए जब उसने बाहर की सांकल खटकने की आवाज सुनी तो वह घबरा गया। उसने अलबम उठाई और उसे लेकर घर के पिछवाड़े को भागा। उसने उसे बाथरूम में पड़ी हुई जलती अँगीठी में डाल दिया।

प्रश्न 5. लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से क्यों की?

उत्तर– मधुमक्खी कई फूलों से रस लेकर शहद तैयार करती है। राजप्पा ने भी कई स्थानों से और कई व्यक्तियों से टिकट लेकर अपना अलबम तैयार किया था। राजप्पा का टिकटों का संग्रह मधुमक्खी द्वारा विभिन्न फूलों से रस लेने के समान था। इसी समानता के कारण लेखक ने उसकी तुलना मुधमक्खी से की है।